शीर्ष प्राथमिकता/समयबद्ध
संख्या-31/2018/537/78-1-2018-62आई0टी0/2017

प्रेषक,

राजीव कुमार
मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव
उ0प्र0 शासन।

आई0टी0 एवं इलेक्ट्रानिक्स अनु0-1 लखनऊर: दिनांक 19 अप्रैल, 2018

विषयर:- प्रदेश में आनलाइन माध्यम से प्रदान की जा रही सिटीजन सेन्ट्रिक सेवाओं को उमंग प्लेटफार्म पर इंटीग्रेट किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

आप अवगत ही हैं कि देश में उमंग मोबाईल एप का विकास एन0ई0जी0डी0, एम0ई0आई0टी0वाई0, भारत सरकार द्वारा किया गया है जिसका उद्घाटन मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 23-11-2017 को किया गया है। वर्तमान में देश में 07 राज्यों के 31 विभागों की 190 सेवायें उमंग एप के माध्यम से प्रदान की जा रही हैं। इस मोबाईल एप द्वारा नागरिक विभिन्न सरकारी सेवाओं (केन्द्रध्राज्य) का लाभ प्राप्त कर सकता है। उमंग एप का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस को जी2सी सेवायें एक ही प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराना है जिससे कि आम जनमानस को अलग-अलग विभागों के एप्स का उपयोग न करके एक सिंगल एप में ही सभी सेवायें उपलब्ध हो सकें।

उक्त के क्रम में उमंग मोबाईल एप्लीकेशन की निम्न् विशेषताओं से अवगत कराया गया है:-

1 उमंग मोबाईल एप 15 भाषाओं में उपलब्ध है जिसे नागरिक अपनी सुविधानुसार परिवर्तित कर सकता है।
2 उमंग मोबाईल एप में प्रत्येक सर्विस के लिये की-वर्डध्मेटा-डाटा निर्धारित किये गये हैं जिसके माध्यम से नागरिक अपने से सम्बन्धित सर्विस को आसानी से प्राप्त कर सकता है।
3 उमंग मोबाईल एप का डिजिटल लॉकर से इंटीग्रेशन भी किया जा सकता है।
4 उमंग मोबाईल एप का इंटीग्रेशन सेन्ट्रल पेमेन्ट गेट-वे (पे-गव), रैपिड असिस्मेन्ट सिस्टम (आर0ए0एस0) और आधार आथेन्टिकेशन सर्विसेज से किया जा सकता है।
5 उमंग मोबाईल एप में नागरिक द्वारा किये गये सभी ट्रांजेक्शन्स के स्वहे भी संरक्षित किये जाते हैं जिसके माध्यम से नागरिक अपने पूर्व में किये गये ट्रांजेक्शन्स की जानकारी भी प्राप्त कर सकता है।
6 आगामी वर्षों में विभिन्न प्रदेशों की लगभग 1200 से 1500 जी2सी सेवाओं को उमंग मोबाईल एप प्लेटफार्म पर आनबोर्ड किया जाना प्रस्तावित है।
7 वर्तमान में उमंग एप के लगभग 4.3 मिलियन डाउनलोड्स् हो चुके हैं।
8 विभागीय जी2सी सेवाओं को उमंग एप में आनबोर्ड किये जाने हेतु फ्रन्ट-एण्ड (ई-फार्म्स) का विकास उमंग टीम, नई दिल्ली द्वारा पूर्ण किया जायेगा। साथ ही इन्टीग्रेशन सम्बन्धी टेक्नीकल सपोर्ट भी उमंग टीम द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।
9 उमंग मोबाईल एप की अन्य विशेषताओं का विवरण संलग्नक-1 पर प्रस्तुत है।

सभी सम्बन्धित विभाग जिनकी सेवायें आनलाइन माध्यम से आम जनमानस को ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल एवं विभागीय पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध करायी जा रही हैं, को उमंग प्लेटफार्म पर इंटीग्रेट किये जाने हेतु अपनी तकनीकी टीम के माध्यम से ए0पी0आई0ध्वेब सर्विसेस विकसित करते हुये उमंग टीम, भारत सरकार नई दिल्ली एवं एस0ई0एम0टी0 से समन्वय स्थापित करते हुये अग्रेतर कार्यवाही की जानी होगी। इस सम्बन्ध में अन्य जानकारी प्राप्त करने हेतु श्री अनिल अग्रवाल, हेड-उमंग, पी0एम0यू0, डिजिटल इण्डिया कारपोरेशन एम.ई.आई.टी.वाई, भारत सरकार (मोबाईल नं0-9987026343) ईमेल आई.डी. (anil.agarwal@digitalindia.gov.in) एवं श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, स्टेट ई-

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकतावे बसाइटhttp://shasanadesh.up.nic.inसे सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.nic.in

गवर्नेन्स मिशन टीम, उ0प्र0 (मोबाईल नं0-7379041406) ईमेल आई.डी. (jitendra.s@semt.gov.in)से सम्पर्क किया जा सकता है।

उपरोक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि सभी सम्बन्धित विभाग अपने से सम्बन्धित सिटीजन सेन्ट्रिक्ट (जी2सी) सेवाओं को उमंग मोबाईल एप पर इंटीग्रेट किया जाना सुनिश्चित करें।

कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीय

(राजीव कुमार)
मुख्य सचिव।

संख्या-31/2018/537(1)78-1-2018 तददिनांक

उपर्युक्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1- मुख्य स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन।
2- अपर मुख्य सचिव, आई0टी0 एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, उ0प्र0 शासन।
3- विशेष सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, अनुभाग-1ध्2, उ0प्र0 शासन।
4- राज्य समन्वयक, सेंटर फॉर ई-गवर्नेंस, उ0प्र0, अपट्रान बिल्डिंग, लखनऊ।
5- राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी, एन0आई0सी0, लखनऊ।
6- हेड, एस0ई0एम0टी, उ0प्र0।
7- गार्डफाइल।

आज्ञा से,

(संजीव सरन)
अपर मुख्य सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकतावे बसाइटhttp://shasanadesh.up.nic.inसे सत्यापित की जा सकती है।